

12.6.24

काज फावली पेरा हुई कमील  
वादी हव भादी के रुक-रुक कर कई  
बार कावाज लावई गई लेकिन कोई  
उपास्तिर नहीं हुआ वकील वादी का  
तलवाना समन फेरु नहीं किया तथा  
काज उपास्तिर भी नहीं है। इस्से हेसा  
प्रतीत होत है कि वादी कापन वाद  
के प्रति गंभीर नहीं है।

इसल, वादी का वाद वादी की  
क्षम हाजरी व क्षम पैली में कामज  
किया जात है। फावली फंसल मुफ्त  
होका दाख हो।

कोर्ट हुक्म जमा।

अपस्थित अधिकारी  
महक जिला दौला